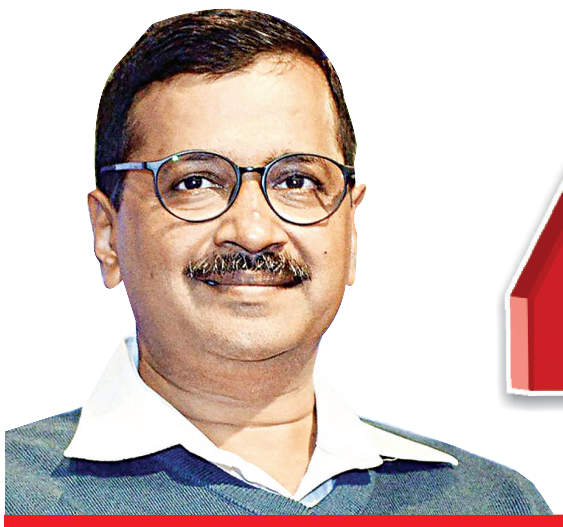

सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 308 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 15 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

प्रसन्नता पहले से निर्मित कोई चीज नहीं है। ये आप ही के कर्मों से आती है।

-दलाई लामा

उत्तराखंड में सरकार आने दो, एक... 2 | पूर्वांचल और बुंदेलखंड पर... 3 | ओमिक्रॉन : नेपाल सीमा पर... 7

लखीमपुर हिंसा पर संसद में हंगामा, लखनऊ में भी प्रदर्शन

केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी पर अड़ा विपक्ष

» लोक सभा में राहुल गांधी ने दिया स्थगन प्रस्ताव सरकार के खिलाफ नारेबाजी

» यूपी विधान सभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन के बाहर सपा-कांग्रेस का प्रदर्शन

» लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी जांच के खुलासे के बाद केंद्र सरकार पर विपक्ष हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा मामले में एसआईटी के खुलासे के बाद विपक्ष ने केंद्र और यूपी सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। विपक्ष ने आज संसद में सरकार से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग की। लोक सभा व राज्य सभा में इस पर जमकर हंगामा हुआ। लिहाजा दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। वहीं यूपी विधान सभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सपा और कांग्रेस ने मंत्री की बर्खास्तगी समेत कई मुद्दों को लेकर सदन के बाहर प्रदर्शन किया।

लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ लखीमपुर हिंसा मामले में राहुल गांधी ने स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। राहुल गांधी ने यह स्थगन प्रस्ताव केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग करते हुए दी। राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हम लखीमपुर का मुद्दा संसद में उठाना चाहते हैं लेकिन हमें इस मुद्दे पर बात नहीं रखने दी जा रही है। वहीं मंत्री की बर्खास्तगी और सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर राज्य सभा में भी विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया जिसके चलते सदन की कार्यवाही बाधित हुई। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश विधान सभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन के बाहर कांग्रेस और सपा के सदस्य केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही किसानों को न्याय देने की मांग की।

क्या है एसआईटी की रिपोर्ट

लखीमपुर हिंसा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा समेत सभी 14 आरोपियों के खिलाफ एसआईटी जांच अधिकारी ने कोर्ट से चार्जशीट दाखिल करने से पहले इरादतन हत्या की धारा समेत तीन धाराओं को हटाकर साजिश के तहत जानलेवा हमले जैसी कड़ी धाराएं बढ़ाने की अपील की थी। जांच अधिकारी ने लिखा है कि लखीमपुर के तिकुनिया में हुई हिंसा हादसा या गैर इरादतन की गई हत्या नहीं, बल्कि हथियारों से लैस होकर एक राय होकर गंभीर साजिश के साथ किए गए हत्या के प्रयास की घटना है। जिला लखीमपुर सीजेएम कोर्ट ने इसे स्वीकार कर धाराओं को बदलने का आदेश दिया है। इस हिंसा में आठ लोगों की मौत हुई थी।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

महंगाई समेत अन्य मुद्दों पर भी प्रदर्शन

सपा और कांग्रेस ने आज कानून व्यवस्था, महंगाई, कोरोना और किसानों के मुद्दों को लेकर भी प्रदर्शन किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही रैलियों में योगी सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं। ऐसे में सपा की रणनीति है कि महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर घेरकर सरकार को बैकफुट पर लाया जाए।

श्रद्धांजलि के बाद सदन स्थगित

विधान मंडल का शीतकालीन सत्र सत्रहवीं विधान सभा का आखिरी और इस साल आहूत चौथा सत्र है। सत्र के पहले दिन विधान सभा की कार्यवाही सदन के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव राजभर और देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत व 11 अन्य सैन्य अफसरों-कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। कल वर्तमान वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट, अगले वित्तीय वर्ष का अंतरिम बजट और 2022-23 के शुरुआती चार महीनों के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया जाएगा। सदन 17 दिसंबर तक चलेगा।

चुनाव से पहले फिर रामलला के दर पर पहुंचे भाजपा के दिग्गज

» बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा शासित कई राज्यों के सीएम पहुंचे रामनगरी

» काशी के बाद अब अयोध्या से हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा एक बार फिर हिंदुत्व के एजेंड पर बढ़ती नजर आ रही है। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद अब भाजपा के दिग्गज रामलला के दर पर पहुंचे हैं। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हैं। यह पहली बार है जब इतने राज्यों के मुख्यमंत्री रामलला का दर्शन करने पहुंचे।

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी अयोध्या पहुंचे हैं। वहीं त्रिपुरा के सीएम बिप्लब देव, बिहार की डिप्टी सीएम रेणु देवी, अरुणाचल के सीएम प्रेमा खांडू और मणिपुर के सीएम एन बिरेन सिंह अयोध्या पहुंचे। जेपी नड्डा समेत सभी ने सरयू की पूजा करने के बाद रामलला का दर्शन पूजन किया। इसके अलावा हनुमान गढ़ी का दर्शन किया।

बहराइच में बोले भाजपा प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह

योगी ने बदली प्रदेश की तस्वीर

» राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधामोहन सिंह ने कहा पूर्व सरकारों ने नहीं दिया विकास पर ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने बहराइच पहुंचे भाजपा के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधामोहन सिंह ने कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में तेज गति से विकास हुआ है। विकास योजनाओं, बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर बूथों तक जाने से चुनाव में सफलता तय है। जिला कार्यालय पर कार्यकारी बैठक में प्रदेश प्रभारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश लंबे समय तक भ्रष्टाचार, आतंक, माफियाराज, तुष्टिकरण से ग्रस्त था। पूर्व की सरकारों ने विकास पर ध्यान न देकर केवल अपने वोट बैंक के विकास की राजनीति की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रदेश ने सांस्कृतिक विरासत को पुन: प्राप्त किया है। विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा के कारण महर्षि बालार्क की तपोस्थली और महाराजा सुहेलदेव की कर्मस्थली बहराइच विकास के मामले में काफी पिछड़ गया था, लेकिन भाजपा सरकार में तीव्र गति से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने जिले के विकास के लिए 221 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इससे पूर्व भी 70 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व 264 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया था। उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाई। कहा कि महाराजा सुहेलदेव के भव्य स्मारक का निर्माण कार्य चल रहा है। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्यामकरन ने की। इस मौके पर सांसद अक्षयवर लाल गोंड, सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, विधायक सुभाष त्रिपाठी, सुरेश्वर सिंह, अनुपमा जायसवाल मौजूद रहे।

हमारी सरकार आई तो मुफ्त बिजली, शिक्षा और इलाज : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वायदे किए। हमारी सरकार आई तो प्रदेश की जनता के लिए पांच साल तक बिजली, पानी, शिक्षा और इलाज की मुफ्त व्यवस्था की जाएगी। भाजपा का एक ही एजेंडा है कि जनता को हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बांटा जाए। उन्होंने कहा पश्चिम बंगाल में खेला हुआ था, अब उत्तर प्रदेश में खदेड़ा होगा।

शामली के थानाभवन के वंदना गार्डन में जनसभा को संबोधित करते हुए राजभर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को झूठा बताते हुए कहा कि सरकार ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना, 14 दिन में गन्ना भुगतान, हर वर्ष दो करोड़ सरकारी नौकरी, किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। वादा तो कोई पूरा नहीं किया, उल्टा 60 पैसे यूनिट बिजली खरीदकर सात-आठ रुपये प्रति यूनिट जनता को बेच रहे हैं। महंगाई से जनता त्रस्त है। प्रधानमंत्री कहते थे कि- सौंगध मुझे इस मिट्टी की, देश नहीं बिकने दूंगा। इसके बावजूद सब कुछ बेचते जा रहे हैं। भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण गरीबों को दो वक्त की रोटी के लाले हैं।

उत्तराखंड में सरकार आने दो, एक माह में बना देंगे छह नए जिले : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव शुरू होने के पहले ही वादों की बौछार शुरू हो गई है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने यहां काशीपुर में बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आप की सरकार बनते ही एक महीने में, 6 नए जिले बनाए जाएंगे। दरसअल, पिछले काफी समय से उत्तराखंड में 6 नए जिले बनाने की मांग चल रही है, जिसमें काशीपुर, रानीखेत, डीडीहाट, रुड़की यमुनोत्री, और कोटद्वार शामिल हैं।

इसी मांग को लेकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के 1 महीने के अंदर सभी 6 नए जिले आम आदमी पार्टी की सरकार बनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में भी 70 सीटें हैं और उत्तराखंड में भी 70 विधानसभा सीटें हैं। दिल्ली वालों ने मुझे पहले चुनाव में 70 में से 67 सीटें दी, जबकि दूसरे चुनाव में 63 सीटें दीं, अब जनता बताए कि उत्तराखंड में मुझे कितनी सीटें देंगे। उन्होंने कहा कि जनता हमें सीटें जिताने का अपना वादा न भूले और जनता से किए वादे हम नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा मेरे छोटे भाई कर्नल कोठियाल को एक बार मुख्यमंत्री बना के देखो, जिसने केदारनाथ का पुनर्निर्माण करके दिखाया। वह अब प्रदेश का नवनिर्माण करके दिखाएंगे। केजरीवाल ने सवालिया अंदाज में कहा कि किस-किस के रिश्तेदार दिल्ली में रहते हैं। आप अपने रिश्तेदारों से पता कीजिए कि वहां के स्कूल अच्छे हुए या नहीं तो उत्तराखंड के सरकारी स्कूलों का क्यों बुरा हाल है। यहां के स्कूल खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। कई जगह टीचर नहीं है।

यूपी की आवाज के लिए कल होगी परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां जोर शोर से करना शुरू कर दी है। बरेली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने बताया कि बने यूपी की आवाज के लिए प्रवक्ता का चयन किया जाना है। पार्टी ने प्रवक्ता चयन के लिए लिखित परीक्षा कराने जा रही है। 16 दिसंबर को सुबह 11 बजे श्यामगंज चौराहा स्थित पार्टी कार्यालय पर यह परीक्षा कराएगी।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी हर मोर्चे पर किला बंदी कर रही है। मीडिया के जरिए जनता तक अपनी बात पहुचांने के लिए कांग्रेस अब नए तरीके से अपने जिला प्रवक्ता का चयन कर रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी जिला कांग्रेस कार्यालय प्रवक्ता चयन के लिए एक परीक्षा व साक्षात्कार लेंगे। परीक्षा और साक्षात्कार के बाद गुरुवार दोपहर को पार्टी कार्यालय पक एक पत्रकार वार्ता के जरिए पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी आगे की योजना बताएंगे।

किसी से छुपी नहीं है भाजपा के प्रति विपक्ष की नफरत : सिद्धार्थ नाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 जैसे-जैसे निकट आ रहा है, राजनीतिक दल के नेताओं के बातों के हमले भी एक दूसरे पर तेज हो गए हैं। खासकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कोई मौका नहीं छोड़ रहे तो भाजपाई भी उनके हर वार का जवाब दे रहे हैं। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है।

मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा यह सर्वविदित है कि समूचा विपक्ष अवसरवादी है। जब चुनाव आता है तो उन्हें मंदिर याद आता है। अखिलेश यादव के लिए कहा कि वह चाहकर भी राम मंदिर निर्माण में रोड़ा नहीं अटका पा रहे। उन्हें इस बात का मलाल है। अब बाबा विश्वनाथ की दिव्यता और भव्यता से भी परेशानी होने लगी है। सनातन धर्म से उनकी नफरत किसी से नहीं छुपी है। भाजपा के प्रति विपक्ष नफरत ही रखता है। जनता को पिछला सब याद है। प्रयागराज प्रवास के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा हिंदुत्व की यही पुकार, हर-हर महादेव घर-घर महादेव। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जय श्रीराम हम सब का मंत्र है। साथ ही हर-हर महादेव को भी आत्मसात करना है। भाजपा की सरकार सिर्फ काशी, मथुरा और अयोध्या की नहीं सोच रही, यह सरकार समूचे देश के लिए सोच रही है। पूरी संस्कृति के उत्थान के लिए सरकार कार्य कर रही है। प्रत्येक नागरिक में अपने राष्ट्रीयता को लेकर गर्व का भाव जगाना है। सिद्धार्थ नाथ सिंह बोले कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश की सरकार विद्याचल कारीडोर के साथ चित्रकूट धाम का भी विकास कर रही है। संगम नगरी के श्रृंगवेरपुर धाम को भी पर्यटन के मानचित्र पर महत्व दिलाया जा रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सपा ने शुरू किया झंडा लगाओ अभियान

» 15 से 25 तक घर-घर लगाएंगे झंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने घर-घर तक पहुंचने के लिए नई रणनीति अपनाई है। इसके तहत हर विधानसभा क्षेत्र में बूथवार 'झंडा लगाओ अभियान' शुरू किया गया है। 15 से 25 दिसंबर चलने वाले अभियान के संबंध में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सभी जिलाध्यक्षों, महानगर अध्यक्षों को निर्देश जारी किए।

पार्टी का मानना है कि अधिसूचना जारी होने से पहले बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को जागरूक करना जरूरी है। ऐसे में हर विधानसभा क्षेत्र में बूथ कमेटियों को घर-घर झंडा लगाने का निर्देश दिया गया है। घरों के साथ वाहनों पर भी झंडा लगाया जाएगा। इस रणनीति से यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि संबंधित बूथ पर कितने लोग खुशी-खुशी झंडा लगाते हैं और कितने ऐतराज करते हैं। इसकी रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय भेजने का निर्देश दिया गया है। बताते चले पार्टी लखनऊ महानगर इकाई ने अक्तूबर माह में झंडा लगाओ अभियान शुरू किया था। महानगर अध्यक्ष सुशील दीक्षित ने इस अभियान की सफलता के बारे में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को जानकारी दी थी।

बाबा साहब वाहिनी के जिलाध्यक्ष घोषित

समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने 11 जिलाध्यक्षों की घोषणा की है। इसमें वीरेंद्र जाटव को बदायूं, राजकुमार बाल्मीकि को अमरोहा, अरुण कुमार सेन को बाराबंकी, अजय खरखेदिया को गाजियाबाद, अरुण चौधरी को कौशांबी, संतोष गौतम को सुल्तानपुर, जितेंद्र उर्फ हनी जाटव को आगरा, हरविंदर को मुरादाबाद, नरेंद्र कुमार सुमन को फिरोजाबाद, तुलसीराम अहिरवार को ललितपुर का जिलाध्यक्ष एवं मनीष कुमार जाटव को मुरादाबाद का महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड पर सपा की नजर, नया प्लान तैयार

दोनों इलाकों के लिए बन रही अलग-अलग रणनीति

टिकट बंटवारे से पहले दूसरे चरण का चल रहा सर्वे

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। सपा पूर्वांचल और बुंदेलखंड को नए सिरे से साध रही है। उसका लक्ष्य है कि यहां से ज्यादा से ज्यादा सीटें जीती जाएं। यह दोनों क्षेत्र उसके लिए सत्ता के द्वार साबित होंगे। वह पूरब में हाते की हवा और बुंदेलखंड में पाठे की प्यास को सियासी पतवार बना रही है। दोनों इलाके के लिए अलग-अलग एजेंडा और रणनीति तैयार की जा रही है। पार्टी के रणनीतिकार पूर्वांचल को अपने लिए उपजाऊ मान रहे हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में लगातार राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सक्रिय हैं।

गोरखपुर से सिद्धार्थनगर और फिर गाजीपुर से लखनऊ तक विजय रथयात्रा निकाल चुके हैं। पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी यात्रा निकाल कर विभिन्न जातीय संगठनों को जोड़ चुके हैं। बाहुबली हरिशंकर तिवारी का परिवार भी सपा में शमिल हो गया है। उनके साथ भाजपा विधायक जय चौबे सहित तमाम ब्राह्मण नेता सपा में शामिल हुए हैं। ऐसे में सपा को तिवारी हाते से चली हवा पूरे प्रदेश में फैलने की उम्मीद है। फिलहाल सपा में पहले से कई ब्राह्मण नेता मौजूद हैं, लेकिन इस परिवार के साथ सभी की एकजुटता समान रूप से दिखी।

क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर करेंगे सत्ता का परिवर्तन

समाजवादी विजय यात्रा के जरिए अपने मतदाताओं को एकजुट कर रहे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर पूर्वांचल की धरती पर हुंकार भर रहे हैं। अखिलेश यादव ने जौनपुर के धर्मापुर में कहा कि बीजेपी ने जनता के साथ धोखा किया। पिछड़ों व दलितों को उनका हक नहीं दिया। 2022 में सपा सरकार जनता के सारे वादे पूरे करेगी, झूठ के दम पर सत्ता हथियाने वाली बीजेपी को जनता सत्ता से बेदखल कर देगी। बता दें कि विजय रथ यात्रा से अखिलेश का ग्राफ चार गुना तेजी से ऊपर चढ़ा है। पूर्वांचल का अपना किला मजबूत करने में जुटे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार दूसरी पार्टी के बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करा रहे हैं। इसी कड़ी में सपा अध्यक्ष ने गोरखपुर के कद्दावर नेता हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी व भीष्म शंकर तिवारी को अपनी पार्टी में शामिल कराया। विनय इस समय चिल्लूपार सीट से विधायक हैं। उनके साथ विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पाण्डेय भी साइकिल पर सवार हुए हैं।

जल, जंगल और जमीन के साथ दलित व मजदूरों की भी बात

बुंदेलखंड इलाके में जल, जंगल और जमीन के साथ दलितों, मजदूरों को लेकर संघर्ष करने वाले संगठनों को लगातार सपा में शामिल किया जा रहा है। सपा यहां की बेरोजगारी के साथ पानी और सिंचाई का मुद्दा भी उठा रही है। पाठा क्षेत्र में लंबे समय से अधूरी चल रही पेयजल परियोजनाओं का मुद्दा उठाया जा रहा है। सपा शासन में किए गए बांधों के निर्माण से लेकर राहत पैकेट तक को अपनी उपलब्धि में गिनाया जा रहा है। इस इलाके में बनने वाले एक्सप्रेस-वे और अन्य अधूरी परियोजनाओं का मुद्दा भी उठाया जा रहा है।

दोनों इलाकों के खास मुद्दों पर फोकस

सूत्रों का कहना है कि पार्टी के घोषणा पत्र में पूर्वांचल और बुंदेलखंड की समस्याओं को लेकर अलग-अलग मुद्दे शामिल किए जाएंगे। दोनों इलाकों के वरिष्ठ नेताओं को यहां के मुद्दों का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। यही वजह है कि पूर्वांचल के साथ बुंदेलखंड के ब्राह्मण नेताओं को भी पार्टी की सदस्यता दिलाई गई है। पूर्वांचल में लघु एवं सीमांत किसानों, बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, वहीं बुंदेलखंड में अन्ना पशु, पानी, सिंचाई , मंडी और राहत पैकेट जैसे मुद्दे अहम माने जा रहे हैं। इन दोनों इलाके में टिकट बंटवारे से पहले दूसरे चरण का सर्वे भी चल रहा है।

तिवारी हाता सपा के साथ

बाहुबली हरिशंकर तिवारी का परिवार ब्राह्मण चेहरे के रूप में पूरे प्रदेश में फिजा बनाएगा। सपा कार्यालय के बाहर तमाम ऐसे बोर्ड भी लगाए गए, जिसमें लिखा था कि तिवारी हाता अब सपा के साथ है। इसी तरह पूर्वांचल के जिलों में विधान सभा क्षेत्र में जातीय बहुलता को ध्यान में रखकर संबंधित जाति के नेता को विधान सभा क्षेत्र की समीक्षा में लगाया गया है ताकि वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ सके।

युवा आबादी पर फोकस

पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रदेश की 65 प्रतिशत आबादी युवा है, इस लिहाज से संकल्प पत्र में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार, स्वरोजगार, किसानी व व्यापार से जुड़ी घोषणाएं कर युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं महिला वोट बैंक को साधने के लिए भी पार्टी महिलाओं के रोजगार के साथ उनकी शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी योजनाओं को घोषणा पत्र में शामिल करेगी। साथ ही किसानों के लिए अखिलेश बड़ी सौगात लेकर आएंगे।

किसान आंदोलन से बिगड़े माहौल को दुरुस्त करने में जुटी भाजपा

कृषि कानूनों की वापसी के बाद किसानों को साधने की कवायद

- **केंद्र की तर्ज पर**
- **चुनाव से पहले राज्य**
- **सरकार दे सकती है**
- **सम्मान निधि**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। पीएम मोदी समेत शीर्ष नेताओं ने कृषि कानूनों के खिलाफ चले किसान आंदोलन से बिगड़े सियासी समीकरण को साधने की कोशिश तेज कर दी है। कृषि कानूनों की वापसी के बाद न केवल दिग्गज नेता बल्कि प्रदेश सरकार भी किसानों को मनाने में जुट गयी है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार चुनाव से पहले केंद्र की तर्ज पर प्रदेश के किसानों को सम्मान निधि दे सकती है।

लोक सभा चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई पीएम किसान सम्मान निधि योजना का प्रयोग योगी सरकार भी आजमा सकती है। प्रदेश के 2.42 करोड़ से ज्यादा किसानों को राज्य के खजाने से भी नकद धनराशि देने का प्रस्ताव है। सूत्रों का कहना है कि 3600 से 6000 रुपये प्रति वर्ष देने का प्रस्ताव है। हालांकि कितनी राशि तय की जाए, इसका निर्णय होना बाकी है। इस पर अंतिम फैसला 16 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक में होने की संभावना है। मुख्यमंत्री इसी दिन अनुपूरक बजट में इसका ऐलान कर सकते हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने पिछले लोक सभा चुनाव से पहले 2018 में लघु व सीमांत किसानों के लिए 6,000 रुपये प्रति वर्ष (2000-2000 रुपये की तीन किस्त) देने का ऐलान किया था। वहीं विधान सभा चुनाव से पहले किसान आंदोलन से खराब हुए माहौल, जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान और महंगाई से खेती की बढ़ती लागत से किसान परेशान हैं। इसके बावजूद फीडबैक आ रहा है कि 6,000 रुपये सम्मान निधि पाने वाले छोटे व मझोले जोत वाले ज्यादातर किसान सरकार के साथ हैं। योगी सरकार इस मतदाता वर्ग को पूरी तरह एकजुट रखने के लिए चुनाव से पहले अपने बजट से अतिरिक्त धनराशि देने पर विचार कर रही है। यह धनराशि केंद्र से मिलने वाली राशि से अलग होगी।

निकाली गयी थी ट्रैक्टर रैली

विधान सभा चुनाव नजदीक आते ही भाजपा नाराज किसानों की नाराजगी दूर करने और उन को लुभाने के लिए किसान ट्रैक्टर रैली निकाली थी। किसानों से संवाद स्थापित करने के लिए भाजपा किसान मोर्चा ने खुद मोर्चा संभाला था। 16 नवंबर से 30 नवंबर ये रैलियां आयोजित की गयीं। इसका समापन 30 नवंबर को बिजनौर में किया गया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आतंक के खिलाफ रणनीति में बदलाव की दरकार

संसद पर आतंकी हमले की 20वीं बरसी के दिन जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकियों ने पुलिस के जवानों को ले जा रही बस पर हमला किया। दहशतगर्दों की अंधाधुंध फायरिंग में तीन जवान शहीद हो गए जबकि 11 का इलाज जारी है। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश से जुड़े कश्मीर टाइगर्स ने ली है। सवाल यह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद राज्य में आतंकी गतिविधियां खत्म क्यों नहीं हो रही हैं? इन हमलों के जरिए पाकिस्तान हासिल क्या करना चाहता है? क्या सीमा पार के आतंकी अड्डों को खत्म किए बिना कश्मीर में शांति बहाल हो सकती है? इन आतंकियों को घाटी में मदद कौन मुहैया करा रहा है? क्या स्लीपर सेल का सफाया किये बिना ऐसे हमलों को रोका जा सकता है? क्या पाकिस्तान के इशारे पर अलगाववादी नेता आतंकियों को अप्रत्यक्ष रूप से संरक्षण दे रहे हैं? क्या धारा 370 की समाप्ति से पाकिस्तान और घाटी में रह रहे अलगाववादी नेता बौखला गए हैं? क्या आतंकवाद के खिलाफ सरकार और सुरक्षा बलों को अपनी रणनीति बदलने की जरूरत है?

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति के बाद पाकिस्तान पूरी तरह बौखला गया है। इस मामले में वैश्विक देशों से समर्थन न मिलने के कारण वह एक बार फिर घाटी में अशांति फैलाने की फिराक में लगा है। वह लगातार सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा है और ये आतंकी घाटी में सक्रिय स्लीपर सेल की मदद से कभी आम जनता और कभी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। आतंकी हमलों के जरिए पाकिस्तान दुनिया को यह बताना चाह रहा है कि कश्मीर में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और इस मामले में विश्व के देशों को हस्तक्षेप करना चाहिए। पाकिस्तान को यहां के कुछ अलगाववादी नेताओं और अपनी सियासी जमीन खो चुके नेताओं का प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा पाकिस्तान भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के सफाए से भी परेशान है। यही वजह है कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन घाटी में हमेशा बड़े हमले की फिराक में रहते हैं। वे नहीं चाहते कि कश्मीर में सरकार के विकास और शांति की बहाली के प्रयास सार्थक हों। जाहिर है अब समय आ गया है कि दहशतगर्दों के सफाए के लिए भारतीय फौज और सरकार अपनी रणनीति में बदलाव लाए और सीमा पार पल रहे तमाम आतंकी अड्डों का खात्मा करे। साथ ही उसे घाटी में आतंकियों के लिए स्लीपर सेल का काम कर रहे लोगों का भी सफाया करना होगा। पाकिस्तान को भी समझना चाहिए कि आतंकियों के जरिए वह कुछ भी हासिल नहीं कर सकेगा और एक और युद्ध उसको बर्बाद कर देगा।

सवाल यह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद राज्य में आतंकी गतिविधियां खत्म क्यों नहीं हो रही हैं? इन हमलों के जरिए पाकिस्तान हासिल क्या करना चाहता है? क्या सीमा पार के आतंकी अड्डों को खत्म किए बिना कश्मीर में शांति बहाल हो सकती है? इन आतंकियों को घाटी में मदद कौन मुहैया करा रहा है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस में जारी आंतरिक गतिरोध

रशीद किदवई

जब भी किसी राजनीतिक दल का खराब वक्त आता है या उसकी राजनीतिक हैसियत का पतन होता है, तो उसमें अक्सर विभाजन हो जाता है। ऐसा कांग्रेस के साथ विषम परिस्थितियों में 1967 के बाद हुआ था। जनता पार्टी का भी हश्र कुछ ऐसा ही हुआ और उसके कई हिस्से हो गये। 1989 में सत्ता में आये जनता दल के साथ भी यही हुआ लेकिन कांग्रेस के साथ 2014 के बाद ऐसा नहीं हुआ, जब वह सत्ता से बाहर हुई। यह एक ऐसा सवाल है, जिसका हमें अब तक जवाब नहीं मिला है कि 2014 और 2019 की करारी हार के बाद भी क्यों कांग्रेस में टूट नहीं हुई और संगठन का एक बड़ा हिस्सा, जो सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व से संतुष्ट नहीं है, पार्टी से अलग नहीं हुआ। केवल वैसे कुछ नेताओं और उनके समर्थकों ने पार्टी छोड़ी, जिनके परिवार लंबे समय से राजनीति से संबद्ध रहे हैं। कांग्रेस में असंतुष्टों की कमी नहीं है, पर वे अलग पार्टी न बना कर किसी बेहतर मौके की तलाश में हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने पिछले कुछ समय से यह संकेत दिया है कि वह कांग्रेसजनों को पार्टी में लेना चाहती है। जिन राज्यों में चुनाव होनेवाले हैं, वहां कुछ लोग कांग्रेस छोड़ कर तृणमूल का दामन थाम रहे हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में अनेक नेता भाजपा और सपा की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का बड़ा हिस्सा अब भी पार्टी में है। जहां तक कांग्रेसी नेताओं का भाजपा के अलावा ऐसी पार्टियों के साथ जाने का सवाल है, जिन्हें सेक्युलर या भाजपा विरोधी माना जाता है, तो हमें यह समझना चाहिए कि देश की राजनीति में विचारधारा की जो बात है, वह गौण होती जा रही है। हमारी राजनीति सत्ता के इर्द-गिर्द ही घूमती है। भाजपा के साथ यह बात है कि उसके पास पहले से ही हर जाति या समुदाय के लोग हैं। ऐसे में अन्य पार्टियों से कोई कद्दावर नेता वहां जाता है, तभी उसे महत्व मिलता है, लेकिन दूसरी पार्टियां, जैसे तृणमूल कांग्रेस, अपने प्रभाव के क्षेत्रों या राज्यों से बाहर अपने विस्तार की संभावना देख रही हैं। पहले शरद पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बैनर तले ऐसा कर चुके हैं, लेकिन बीते 23 साल में वे महाराष्ट्र के बाहर अपनी खास जमीन नहीं बना सके हैं।

पवार ने अनेक राज्यों में चुनाव लड़ा और मेघालय में पीए संगमा की वजह से उनकी पार्टी की सरकार भी बन गयी थी, पर कुल मिला कर उनका

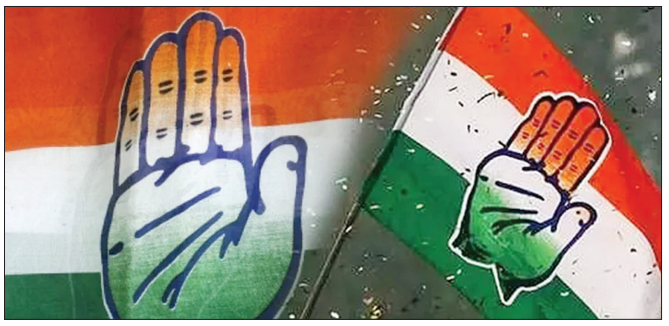

विस्तार नहीं हो सका। वैसा ही प्रयास ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस कर रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि भाषा और मुख्य रूप से बंगाल आधारित पार्टी होने की अड़चनों के कारण उसका भी प्रसार मुश्किल है। कांग्रेस के साथ सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि पार्टी अपने यहां हो रहे पलायन और लंबे समय से चल रहे असंतोष के समाधान के लिए गंभीरता से कोई कोशिश करती नहीं दिख रही है। इसमें राहुल गांधी का व्यक्तित्व और उनके कामकाज का तरीका बड़ा अवरोध है। भले ही उनकी सोच और विचारधारा बहुत अच्छी हो तथा उन्होंने कई मामलों में सही बात कही हो, लेकिन उनमें सभी को साथ लेकर चलने की वह कला नहीं दिखती, जो सोनिया गांधी में है। उनकी सोच यह है कि पार्टी का दरवाजा खुला हुआ है और जिसे जाना है, वह चला जाए, पर राजनीति में ऐसा नहीं होता। पार्टी एक परिवार की तरह होती है, नेतृत्व को सबके सुख-दुख, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं का ध्यान रखना पड़ता है। सोनिया गांधी का जो सम्मान है, उसकी वजह से आज भी बहुत सारे नेता टिके हुए हैं। अब सवाल यह है कि ऐसा कब तक चल सकता है। जम्मू-कश्मीर में गुलाम नबी आजाद बहुत सक्रिय हैं और लगातार बैठकें कर रहे हैं। बहुत संभव है कि वे एक क्षेत्रीय पार्टी का गठन कर भविष्य के लिए कुछ पहल करें। कांग्रेस से अलग होकर क्षेत्रीय पार्टियां बनानेवाले हाल में सफल भी हुए हैं। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी इसका उदाहरण हैं। न तो राहुल गांधी भूल सुधार कर रहे हैं कि कांग्रेस में नेतृत्व का मसला जल्दी हल हो और न वे पार्टी के भीतर के असंतोष को ठीक करने का प्रयास कर रहे हैं। असंतुष्ट नेता भी नाखुश रह कर ही खुश हैं। सभी दलों की निगाह 2024 के लोक सभा चुनाव पर जरूर है, पर क्षेत्रीय पार्टियों की मुख्य चिंता अपने-अपने राज्यों में अपनी पकड़ बढ़ाने को लेकर है। वे सभी दल अपनी समझ और शर्त के साथ मोदी सरकार या राजग गठबंधन को चुनौती देना चाहते हैं। हमने उत्तर प्रदेश में पीछे देखा कि 2017 के कांग्रेस व सपा तथा 2019 के बसपा व सपा का गठबंधन टिक नहीं सका। कांग्रेस का संबंध कुछ पुराने सहयोगी दलों के साथ भी ठीक नहीं है। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व को जल्दी अपने सांगठनिक गतिरोध को दूर कर बड़ी राजनीतिक लड़ाइयों पर ध्यान देना चाहिए।

अफगानिस्तान को भारत की मदद

धनंजय त्रिपाठी

भारत ने मानवीय सहायता के रूप में 1.6 टन जीवन रक्षा दवाएं अफगानिस्तान भेजी हैं। इन दवाओं को काबुल में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधियों को दिया गया है और इनका वितरण इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय द्वारा किया जायेगा। भारत ने 50 हजार टन गेहूं भेजने का वादा भी किया है। यह एक अहम घटनाक्रम है। जब बीते 15 अगस्त को तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब से बहुत दिनों तक अनिश्चितता का माहौल रहा था कि भारत की प्रतिक्रिया क्या होगी तथा दोनों देशों के संबंधों का भविष्य क्या होगा। इस माहौल में कुछ बदलाव आता दिख रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक क्षेत्रीय देश, जैसे रूस, मध्य एशियाई देश आदि तालिबान के लगातार संपर्क में हैं। तालिबान ने भी बार-बार यह कहा है कि दक्षिण एशियाई दशों और अन्य पड़ोसी देशों सहित पूरी दुनिया के साथ वह अच्छे संबंध रखना चाहता है तथा वह किसी भी देश के विरुद्ध अफगान धरती का इस्तेमाल नहीं होने देगा। भारत लंबे समय से अफगानिस्तान में कई विकास परियोजनाओं को संचालित करता रहा है। उनको लेकर भी असमंजस की स्थिति है, लेकिन पिछले माह दिल्ली में रूस, मध्य एशियाई देशों और कुछ अन्य देशों की बातचीत के बाद संतोषजनक दिशा में प्रगति हो रही है।

भारतीय कूटनीति के रवैये में यह समझ आयी है कि भारत को अफगानिस्तान की जनता को नहीं छोड़ना चाहिए। यह सर्वविदित तथ्य है कि अफगान जनता के बीच भारत की सकारात्मक और विश्वसनीय छवि है। उसे बनाये रखना जरूरी है। इसी दृष्टिकोण से दवाएं भेजी जा रही हैं। आगे कोरोना टीके भी मुहैया कराये जायेंगे। अनाज की आपूर्ति पाकिस्तान की अड़चनों के कारण कुछ बाधित हुई, पर अब स्पष्ट है कि गेहूं भी अफगानिस्तान पहुंच जायेगा। अफगानिस्तान एक बड़े मानवीय संकट के कगार पर है और इससे पूरी दुनिया चिंतित है। ऐसे में भारत की पहल को दो तरह से देखना चाहिए। एक, हमारे कूटनीतिक समुदाय में यह स्पष्टता है कि हमें अफगान जनता का साथ नहीं छोड़ना है। दूसरी बात यह है कि मदद से भारत के प्रति तालिबान के पहले के रवैये पर भी असर पड़ेगा। इस बार सत्ता हासिल करने के बाद से तालिबान लगातार भारत से विकास परियोजनाओं को जारी रखने का आह्वान करता रहा है। विशेषज्ञ लगातार इस बात पर जोर दे रहे थे कि हमें तालिबान के साथ संपर्क का एक चैनल बनाना चाहिए और संवाद स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। आज की वास्तविकता यही है कि तालिबान अफगानिस्तान से जानेवाला नहीं है। अहम बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, रेड क्रॉस जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी गंभीर मानवीय संकट को टालने की कोशिश में जुटी हुई हैं। अफगान सरकार के अरबों डॉलर विदेशी वित्तीय संस्थाओं के पास है। उसे तालिबान मांग रहा है, पर अभी शायद वह धन उपलब्ध नहीं हो सकेगा। विश्व बैंक ने भी अपनी कुछ परियोजनाओं को फिर से शुरू किया है।

यदि अंतरराष्ट्रीय सहायता समुचित ढंग से नहीं मिल पाती है तो माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में अफगान भयावह गरीबी में चले जायेंगे। पहले से ही वहां व्यापक निर्धनता है। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था का 21 प्रतिशत हिस्सा अंतरराष्ट्रीय मदद से आता है। आज तालिबान शासन को किसी भी देश ने कूटनीतिक मान्यता नहीं दी है और संयुक्त राष्ट्र में भी उसका प्रतिनिधित्व नहीं हैं। इस राजनीतिक संकट की वजह से जो मानवीय संकट उत्पन्न हो रहा है, उसका समाधान करना जरूरी है। इसलिए वैश्विक स्तर पर यह सहमति बन रही है कि मानवीय आधार पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफगानिस्तान की मदद करनी चाहिए। इस संदर्भ में भारत की पहल सराहनीय है और इससे अन्य देशों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह मदद भी व्यापक वैश्विक समुदाय की साझेदारी का ही हिस्सा है, क्योंकि दवाओं एवं अनाज जैसी चीजों का वितरण अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से ही होगा, न कि तालिबान शासन के द्वारा।

ऐसे संकेत हैं कि अप्रैल तक अमेरिका और यूरोपीय देश तालिबान के साथ सीधे संपर्क की प्रक्रिया अपनायेंगे। इसको देखते हुए भी भारत की पहल महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि हम अफगान जनता के साथ भी जुड़े रहेंगे और तालिबान के साथ संपर्क भी बेहतर होगा। भविष्य में कूटनीतिक गतिविधियों में इससे बड़ी सहायता मिलेगी। भारत ने संकेत दे दिया है कि अफगानिस्तान में उसकी पूरी दिलचस्पी है और वह युद्ध से ग्रस्त देश के पुनर्निर्माण में सहयोग देने के लिए तैयार है। इससे यह संकेत मिलता है कि पहले की तरह भारत के लिए तालिबान अछूत नहीं रहा। विकास के मुद्दों पर भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय और क्षेत्रीय देशों के साथ मिल कर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में भविष्य की स्थितियों के लिए वर्तमान पहलें सकारात्मक भूमिका निभायेंगी। अगस्त से अब तक की अवधि को देखें, तो बड़ा अंतर आ चुका है और भारतीय कूटनीति असमंजस की स्थिति से बाहर निकल चुकी है। भारत मानवीय सहायता और विकास परियोजनाओं को लेकर प्रतिबद्ध होता दिख रहा है। आगे की स्थितियां बहुत कुछ तालिबान के रुख पर निर्भर करेंगी। फिलहाल भारत का संकेत है कि हम अफगानिस्तान की जनता को नहीं छोड़ रहे हैं।

सर्दियों में खायें

सरसों का साग

जब कभी पंजाबी फूड की बात कर रहे होते हैं तो दिमाग में सरसों का साग और मक्के की रोटी की तस्वीर उतर जाती है। सर्दियों के मौसम में तो पूरे देशभर में सरसों के साग को बड़े चाव के साथ खाया जाता है। सरसों का साग न सिर्फ खाने में टेस्टी होता है बल्कि ये कई पौष्टिक गुणों से भरा होता है।

इसमें मौजूद विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और प्रोटीन इसे बेहद फायदेमंद बनाते हैं। सरसों का साग सरसों के हरे पत्तों से बनाया जाता है। 100 ग्राम सरसों के साग में 27 कैलोरी, केवल 0.4 ग्राम फैट्स, 358 मिली ग्राम पोटैशियम, 4.7 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 3.2 ग्राम फाइबर, 1.3 ग्राम शुगर, विटामिन ए, सी, डी, बी-12, मैग्नीशियम, आयरन और कैल्शियम जैसे तत्व भरपूर मात्रा में देता है। तो आईये जानते हैं सर्दियों में सरसों के साग या सरसों के पत्ते का सेवन करने से सेहत के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है।

दिल के लिए फायदेमंद

सरसों के साग के सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है और फोलेट का निर्माण अधिक होता है। इससे कार्डियोवैस्कुलर रोगों की आशंका घटती है।

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

सरसों के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं जो न केवल शरीर को डीटॉक्सिफाई करते हैं बल्कि शरीर की प्रतिरोधी क्षमता भी बढ़ाते हैं। इसके सेवन से ब्लैडर, पेट, ब्रेस्ट, फेफड़े, प्रोस्टेट और ओवरी के कैंसर से बचाव में मदद मिलती है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

सरसों के पत्तों में फाइबर अच्छी मात्रा में है जो शरीर की मेटाबॉलिक क्रियाओं को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। इसके सेवन से पाचन भी अच्छी तरह होता है। सरसों के पत्ते में कैलोरी कम होती है और फाइबर अधिक होते हैं। इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है और वजन को नियंत्रित रखना आसान हो जाता है।

हड्डियां बनाए मजबूत

सरसों के पत्ते में कैल्शियम और पोटैशियम अच्छी मात्रा में होते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यह हड्डियों से जुड़े रोगों के उपचार में भी फायदेमंद होता है।

विटामिन से भरपूर

सरसों की ताजा पत्तियां विटामिन बी कॉम्प्लेक्स समूह के कई विटामिन पाए जाते हैं जो शरीर के लिए बहुत जरुरी हैं। यह विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। इसके कारण यह प्रतिरोधक क्षमता बढाकर सर्दी जुकाम तथा फ्लू जैसी परेशानी से बचाता है।

आंखों की रोशनी

सरसों के पत्ते में विटामिन ए अच्छी मात्रा में होता है जो आंखों की मासंपेशियों को किसी भी तरह की क्षति से बचाता है और आंखों की रोशनी बढ़ाता है।

कहानी — ई-मेल एड्रेस

एक बेरोजगार युवक ने किसी सॉफ्टवेयर कंपनी के ऑफिस में काम करने वाले लड़के की जगह के लिए एप्लीकेशन भेजी। लड़के को बुलाया गया। मैनेजर ने उसका इंटरव्यू लिया। इसके बाद उससे फर्श की सफाई करवाकर देखी और संतुष्ट होने के बाद कहा कि अपना ई-मेल एड्रेस दे जाओ, हम तुम्हें नौकरी के लिए बुलवा लेंगे। लड़के ने जवाब दिया कि पर मेरे पास कम्प्यूटर नहीं है और इसलिए मेरा कोई ई-मेल अकाउंट भी नहीं है। मैनेजर ने कहा कि जब तुम्हारा कोई ई-मेल एड्रेस ही नहीं है तो यह नौकरी तुम्हें नहीं मिल सकती है। यह सुनकर वह लड़का उस ऑफिस से लौट आया। ऑफिस से बाहर निकलने के बाद उस लड़के ने अपनी जेब में पड़े 50 के नोट से एक टोकरी सेब खरीदे और उन्हें बेचने लगा। कुछ ही देर में उसके पैसे डबल हो गए। लड़के को काम जम गया और इस तरह उसने 50 से 100, 100 से 200, 200 से 300 रूपये करके धीरे-धीरे बड़ा कारोबार कर लिया। उसने कई ट्रक खरीद लिए और उनके जरिए सप्लाई करने लगा। अब वह लड़का अपने क्षेत्र का एक करोड़पति व्यापारी हो गया था। एक दिन उसने सोचा क्यों न अपना इंश्योरेंस करवा लिया जाए। यह सोचकर उसने इंश्योरेंस एजेंट को बुलाया और उसे अपनी इच्छा बताई। एजेंट ने पूछा आप मुझे अपना ई-मेल एड्रेस दे दीजिए। मैं सारी जानकारी आपको भेज दूँगा। व्यापारी युवक ने कहा कि मेरा कोई ई-मेल एड्रेस नहीं है। इस पर एजेंट ने कहा कि बिना ई-मेल एड्रेस के आपने अपना कारोबार इतना फैला लिया। अगर आप कोई मेल एड्रेस होता तो आप जानते हैं कि आप कहां होते। व्यापारी युवक ने जवाब दिया कि मुझे पता है कि अगर मेरा ई-मेल एड्रेस होता तो मैं कहां होता।

सीख: अगर आपके पास कोई चीज नहीं है तो उसका अफसोस मत करो। आप यह देखो कि आपके पास वह चीज क्या है, जो दूसरों के पास नहीं है।

हंसना मना है

दादी: बेटी, तुम खाना बनाना तो सीख लो। लड़की को खाना बनाना आना ही चाहिए। पोती: लेकिन क्यों दादी। दादी: अगर कभी पति घर पर नहीं हुआ तो भूखे पेट सोएगी क्या।

सोनू: शादी एक समझौता है। मोनू: कैसे। सोनू: लड़की मां-बाप, मायका छोड़ देती है और लड़का सुख-शांति और अच्छे दिनों की उम्मीद।

ब्वायफ्रेंड: एक ही कपड़े पहनकर रोज घूमती हो, अजीब नहीं लगता। गर्लफ्रेंड: यह मेरी ऑफिस यूनिफार्म है बेरोजगार आदमी।

संता: सभाओं का पोस्टमार्टम क्या होता है ? बंता: जहां सब हों पर कोई न बोले उसे शोक-सभा कहते हैं। जहां एक बोले और सब सुनें उसे आम-सभा कहते हैं। जहां सब बोलें और कोई न सुने उसे लोक-सभा कहते हैं।

10 अंतर खोजें

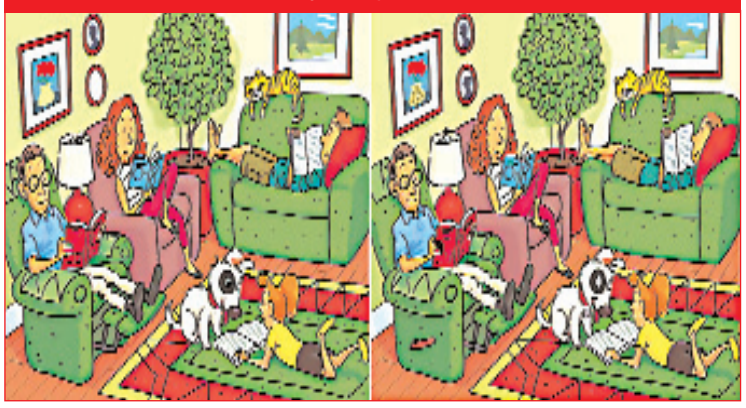

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

वृषभ — शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

मिथुन — शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह — किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

कन्या — कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला — मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

धनु — पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

मकर — व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा।

कुम्भ — घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा।

मीन — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

भोजपुरी | मन की बात

स्क्रिप्ट चुनते वक्त रिस्क लेने में नहीं झिझकता : आयुष्मान

आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर की फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी को दर्शकों और समीक्षकों के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म में एक बार फिर से एक खास कॉन्सेप्ट उठाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि आयुष्मान एक ट्रांस-महिला के प्यार में पड़ जाते हैं। अब आयुष्मान खुराना का कहना है कि उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता के बारे में सोचकर कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं चुनी। वो कहते हैं, फिल्म विक्की डोनर में अपनी शुरुआत के बाद से, मैंने ऐसी फिल्मों को चुना है, जिन्हें सामाजिक दृष्टिकोण से अपरंपरागत या वर्जित माना गया है। मुझे लगता है कि ऐसी फिल्में भारत के लिए जरूरी हैं। चंडीगढ़ करे आशिकी मेरी फिल्मोग्राफी में एक ऐसी फिल्म है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। उन्होंने चंडीगढ़ करे आशिकी के निर्देशक अभिषेक कपूर के साथ अपने काम के अनुभव को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे अभिषेक कपूर में एक रचनात्मक साथी मिला, जो यह भी मानते थे कि भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। यह इस बातचीत को प्रासंगिक और मुख्यधारा बनाने का हमारा प्रयास था और मुझे उम्मीद है कि फिल्म आने वाले दिनों में ऐसा ही करेगी। आयुष्मान आगे कहते हैं कि कोई भी स्क्रिप्ट चुनते वक्त वह कोई रिस्क लेने में कभी नहीं झिझकते और सिर्फ कहानी पर फोकस करते हैं। आयुष्मान कहते हैं कि वह किसी भी दिन अपनी फिल्मों के माध्यम से देशव्यापी बहस छेड़ने का विकल्प चुनते हैं, न कि यह सोचने के बजाय कि उनकी फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर कितना काम करेगी।

आर्या का पोस्टर देख सलमान बोले

अरे वाह सुष कमाल लग रही हो

बॉलीवुड | मसाला

सुष्मिता सेन इन दिनों अपनी बहुचर्चित वेब सीरीज आर्या के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। पहले सीजन की तरह आर्या 2 में भी सुष्मिता सेन अपने अभिनय की लेकर खूब तारीफें बटोर रही हैं। फैंस के अलावा उनके करीबी दोस्त भी तारीफ कर रहे हैं। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सलमान खान ने भी सुष्मिता सेन और उनकी वेब सीरीज आर्या 2 की तारीफ की है। सलमान खान ने सुष्मिता सेन की सोशल मीडिया के जरिए तारीफ की है। सलमान खान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह अपने फैंस के लिए खास तस्वीरें और वीडियो भी शेयर करते रहते हैं। सलमान खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक होर्डिंग की तस्वीर शेयर की है। इस होर्डिंग पर सुष्मिता सेन की वेब सीरीज आर्या 2 का पोस्टर नजर आ रहा है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सलमान खान ने अपनी खास दोस्त सुष्मिता सेन की तारीफ की है। उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, अरे वाह सुष तुम तो कमाल लग रही हो। बेहतरीन लग रही हो। आपके लिए बहुत खुश हूं। सलमान खान की ओर से शेयर की गई सुष्मिता सेन की वेब सीरीज आर्या 2 की तस्वीर को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि सुष्मिता सेन और सलमान खान बॉलीवुड के खास दोस्तों में से एक हैं। इन दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम भी किया है। बात करें वेब सीरीज आर्या 2 की तो इसमें भी सुष्मिता सेन की वापसी धमाकेदार हुई है। यह वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 10 दिसंबर को रिलीज हुई है। दूसरा सीजन आर्या के बदले, बच्चों की सुरक्षा और इसी क्रम में डॉन बनने की कहानी को रेखांकित करता है। आर्या 2 की कहानी राजस्थान में स्थापित है। पिछले सीजन में दर्शकों ने देखा कि आर्या अपने पति और बच्चों के साथ क्रिमिनल परिवार से दूर जाना चाहती है। पति के किरदार में चंद्रचूड़ सिंह थे, जो आर्या के फैसले में उसका साथ देता है। मगर, इससे पहले की आर्या इस सबसे निकल पाती, पति की हत्या हो जाती है। आर्या के शक के घेरे में उसका अपना परिवार और दूसरे दुश्मन हैं।

ओटीटी पर रिलीज होगी मलयालम की सबसे महंगी फिल्म, मरक्कर : लॉयन ऑफ द सी

प्राइम वीडियो ने साल की सबसे बड़ी एडवेंचर फिल्म मरक्कर : लॉयन ऑफ द सी के एक्सक्लूसिव डिजिटल प्रीमियर की घोषणा कर दी है, एक्टर मोहनलाल ने इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। आशीर्वाद सिनेमाज के एंटनी पेरुंबवूर द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का लेखन एवं निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन ने किया है। इस मलयालम फिल्म में अर्जुन सरजा, सुनील शेट्टी, मंजू वारियर, कीर्ति सुरेश, स्वर्गीय नेदुमुदी वेणु और प्रणव मोहनलाल जैसे सितारों ने अहम किरदार निभाए हैं। अब 17 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर फिल्म का प्रीमियर होगा। दर्शकों के लिए फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी उपलब्ध होगी। पर्दे पर बड़े ही भव्य तरीके से प्रस्तुत की गई यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है, जो भारत के सबसे महान नौसेना प्रमुखों में से एक कुंजलि मरक्कर की बायोपिक है। इस फिल्म में मालाबार तट के इस दिलेर नौसैनिक की अगुवाई में पुर्तगाली हमलावरों के खिलाफ ऐतिहासिक लड़ाई की कहानी दिखाई गई है, जो बाद में कालीकट के राजा जमोरिन के नौसैनिक कमांडर बने। यह मलयालम सिनेमा में अब तक की सबसे महंगी फिल्म है, जिसने अक्टूबर 2021 में 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, 'सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफेक्ट्स तथा 'सर्वश्रेष्ठ कॉस्टयूम का पुरस्कार जीता। इस पर मोहनलाल ने कहा, मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि दर्शकों ने इस फिल्म को काफी पसंद किया है, और अपने सभी फैन्स को उनके प्यार के लिए धन्यवाद देता हूं।

अजब-गजब | , वजह जानकर रह जाएंगे दंग

तोतों ने बदनाम कर दिया पूरा चिड़ियाघर

तमाम लोगों को तोते पालने का शौक होता है क्योंकि वह इंसानी भाषा सीख लेते हैं और जो लोगों को खूब पसंद आती है। लेकिन आपको ये जानकार हैरानी भी होगी कि तोतों की वजह से कोई बुरी तरह से बदनाम भी हो सकता है। आज हम आपको पांच ऐसे तोतों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्होंने एक चिड़ियाघर को बुरी तरह से बदनाम कर दिया। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर तोतों ने ऐसा किया क्या जिससे चिड़ियाघर बदनाम कैसे हो गया। यही नहीं इन तोतों से तंग आकर इन्हें चिड़ियाघर से निकालना पड़ा। दरअसल, ब्रिटेन में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां के एक चिड़ियाघर से 5 तोतों को हटाना पड़ा। क्योंकि ये तोते लोगों को गंदी-गंदी गाली देने लगे थे।

बता दें कि ये तोते चिड़ियाघर में घूमने आ रहे लोगों और बच्चों को बहुत गंदी-गंदी गाली देने लगे थे, जिससे चिड़ियाघर को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। फिलहाल इन तोतों की हरकतों को देखते हुए इन्हें तुरंत चिड़ियाघर से हटा दिया गया है। बताया जा रहा है कि ये पांच तोते एक साथ कुछ समय क्वारंटीन में थे, जिसके बाद से उनमें ये बदलाव देखने को मिला। जानकारी के मुताबिक, ब्रिटेन के लिंकनशायर वन्यजीव पार्क में कुछ दिन पहले ही पार्क के अधिकारियों ने एरिक, जेड, एल्सी, टायसन और बिली नाम के ग्रे कलर के इन पांच तोतों को अलग-अलग लोगों से लिया था और इसके बाद पांचों को एक साथ एक ही पिंजरे में क्वारंटीन में रखने का फैसला लिया था। उसके कुछ ही दिनों में अधिकारियों के पास इन तोतों की शिकायत पहुंचने लगी। इस चिड़ियाघर के कर्मचारियों का कहना है कि पहले ये तोते आपस में ही एक दूसरे को गालियां दे रहे थे। लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने वहां आने वाले लोगों को भी इन्होंने गालियां देनी शुरू कर दिया। पार्क के अधिकारियों का कहना है कि हो सकता है कि एक साथ रहने के दौरान इन तोतों ने आपस में गालियां देना सीख लिया होगा। इस बारे में वन्यजीव पार्क के चीफ एग्जीक्यूटिव स्टीव निकोल्स का कहना है कि यहां सभी लोग हैरान हैं कि ये तोते गालियां दे रहे थे। हम लोग यहां आने वाले बच्चों के बारे में थोड़ा परेशान थे। क्योंकि तोतों के मुंह से गालियां सुनकर यहां आने वाले लोग हंसने लगते तो इन तोतों को और बढ़ावा मिलता और ये पहले से ज्यादा गालियां देने लगे। वहीं पार्क के अधिकारियों के मुताबिक तोतों की गालियां सुनकर लोग इनपर हंसते थे और जितना ज्यादा लोग हंसते थे, ये उतनी ज्यादा गालियां देते थे। इसके बाद पार्क में आने वाले बच्चों का ध्यान रखते हुए हमें इन तोतों को वहां से हटा दिया गया।

37 हजार मुफ्त ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर की फीस है सिर्फ बच्चों की प्यारी मुस्कान

आज के युग में जिंदगी की मूलभूत ज़रूरतों में स्वास्थ्य सुविधाएं भी शुमार हैं। दुख की बात ये है कि मेडिकल हमारी ज़रूरत तो है, लेकिन इसका ज़रूरत से ज्यादा महंगा होना एक समस्या बन चुकी है। ऐसे में वाराणसी के डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह ने एक अनोखे संकल्प के तहत हज़ारों बच्चों की प्लास्टिक सर्जरी मुफ्त में की है और उन्हें उनकी मुस्कान लौटाई है।

दरअसल डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह बच्चों के होठों और मुंह के अंदर की विकृति को प्लास्टिक सर्जरी के ज़रिये ठीक कर देते हैं। मेडिकल में इस कंडीशन को क्लेफ्ट लिप्स और क्लेफ्ट पैलेट कहते हैं। इसकी सर्जरी के लिए अच्छे-खासे पैसे लगते हैं। यही वजह है कि गरीब लोग इसका इलाज नहीं करवा पाते, जबकि ये समस्या उनके बच्चों में ज्यादा पाई जाती है। होठों और मुंह के अंदर तालू में आई इस दिक्कत की वजह से जहां बचपन में बच्चों दूध पीने में दिक्कत होती है, तो वहीं बड़े होने के बाद उन्हें दिखने में अजीब होने की वजह से समाज में भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। इस जन्मजात समस्या को छोटी सी प्लास्टिक सर्जरी सुधार देती है। डॉक्टर सुबोध गरीब परिवारों में जन्मे ऐसे बच्चों की सर्जरी बिना किसी फीस के कर देते हैं। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रहने वाले डॉक्टर सुबोध ने जनरल सर्जरी में स्पेशलाइजेशन हासिल किया हुआ है और वे खास तौर पर कैंप लगाकर कटे-फटे होठों की सर्जरी करते हैं। बच्चों के लिए आज फरिश्ता बन चुके डॉक्टर सुबोध का अपना बचपन कठिनाइयों में गुजरा। माता-पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने अपने भाइयों के साथ पैसे कमाने के लिए मोमबत्तियां, साबुन और चश्मे बेचे। हालांकि उनके परिवार की मदद और उनकी लगन से डॉक्टर बनने का उनका सपना साकार हुआ और उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ से अपनी पढ़ाई पूरी की। डॉक्टर सुबोध कहते हैं कि इस तरह की विकृति के साथ पैदा होने वाले बच्चे कई बार कुपोषण से मर जाते हैं, क्योंकि वे पर्याप्त दूध नहीं पी सकते। ऐसे में साल 2004 से ही उन्होंने अपना मेडिकल करियर ऐसे बच्चों को डेडिकेट कर दिया।

ओमिक्रॉन : नेपाल सीमा पर अलर्ट, बिना आईडी भारत में प्रवेश प्रतिबंधित

» आने वाले लोगों की हो रही जांच, स्वास्थ्यकर्मी तैनात

» बिना आईडी आ रहे 13 लोगों को किया गया वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल से भारत आने वाले बिना आईडी के सभी नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। मंगलवार की दोपहर नेपाल से भारत में आ रहे सात भारतीय और छह नेपाली नागरिकों को सरहद पर तैनात स्वास्थ कर्मियों ने पुलिस की मदद से नेपाल वापस भेज दिया।

सीमा के नो मेंस लैंड पर ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ कर्मियों ने 56 नागरिकों का सैंपल लिया। 13 से अधिक लोगों को आईडी नहीं होने के कारण नेपाल वापस किया गया। वही नेपाल स्वास्थ विभाग की टीम किसी भी व्यक्ति को बिना मास्क और

पर्यटकों को बिना आरटीपीसीआर रिपोर्ट के नेपाल जाने नहीं दे रही है। इंस्पेक्टर बेलहिया नवीन पौडेल ने बताया कि भारत से नेपाल जाने वाले भारतीय या नेपाली नागरिकों का कोविड प्रोटोकाल के तहत ही जाने की अनुमति दी जा रही है। स्वास्थ कर्मी गणेश गुप्ता ने बताया कि 56 लोगों का सैंपल लिया गया है। टेस्ट के लिए आईडी की जरूरी है। पॉजिटिव आने पर व्यक्ति की पहचान की जा सके। चौकी प्रभारी सोनौली स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आईडी नहीं होने के कारण करीब 13 लोगों को नेपाल वापस किया गया है। आईडी लाने पर प्रवेश दिया जाएगा।

महाराष्ट्र में आठ और आए चपेट में

नई दिल्ली। देश में मंगलवार को कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के 12 नए मामले सामने आए है। एक दिन में मिले नए वैरिएंट से संक्रमितों की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इनको मिलाकर ओमिक्रॉन के कुल मरीजों की संख्या महाराष्ट्र में 28, दिल्ली में छह और देश में 61 हो गई है। अब तक सात राज्य और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में ओमिक्रॉन के केस मिल चुके हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि महाराष्ट्र में मिले आठ में से एक भी मरीज ने हाल फिलहाल किसी दूसरे देश की यात्रा नहीं की है। दिल्ली में ओमिक्रॉन के जो चार नए मामले मिले हैं उनमें से एक मरीज दुबई और दूसरा जिम्बाब्वे से आया था। अन्य दो मरीज दोस्त हैं, जो विकासपुरी के रहने वाले हैं और वे विदेश से नहीं आए हैं। वे पिछले दिनों दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित शादी समारोह में शामिल हुए थे, जिसमें विदेशी मेहमान भी थे।

निजीकरण के खिलाफ बैंकों की हड़ताल कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंको के निजीकरण के विरोध में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की ओर से 16 और 17 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया गया है। स्टेट बैंक के मुख्यालय में नेशनल कंफेडरेशन आफ बैंक एंपलाइज के प्रदेश महामंत्री अखिलेश मोहन ने बताया कि केंद्र सरकार बैंकों का निजीकरण कर पूंजीपतियों के हाथों में सौपने की साजिश रच रही है लेकिन बैंककर्मियों के विरोध के चलते वह सफल नहीं हो पाए हैं।

सरकार के निजीकरण की मंशा के विरोध में बैंक कर्मी दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल पर जाने को मजबूर हैं। फोरम के मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि देशव्यापी बैंक हड़ताल के पहले दिन 16 दिसंबर को स्टेट बैंक, मुख्य शाखा के सामने और दूसरे दिन हजरतगंज चौराहे के पास इंडियन बैंक (पूर्व इलाहाबाद बैंक) के सामने प्रदर्शन होगा। बंदी से 2500 से 3000 करोड़ का कारोबार प्रभावित होगा। वहीं दो दिवसीय बैंकों की हड़ताल से उपभोक्ताओं की मुश्किल बढ़ जाएगी।

पंजाब को बचाना मेरा मिशन : अमरिंदर सिंह

» कई दलों के मौजूदा और पूर्व विधायक पार्टी में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का मिशन राज्य में अगली सरकार बनाना है न कि महज सत्तारूढ़ कांग्रेस को हराना है। उन्होंने दावा किया कि बहुत जल्द सभी तीन बड़े दलों कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के कई मौजूदा एवं पूर्व विधायक उनकी पार्टी में शामिल होंगे।

पंजाब विधान सभा चुनाव अगले साल की शुरूआत में होना है। अपनी पार्टी का एजेंडा साझा करते हुए सिंह ने कहा कि वह यहां एक बार फिर महज मुख्यमंत्री बनने के लिए नहीं हैं। मेरा मिशन न सिर्फ पंजाब को बचाना है, बल्कि इसके अतीत के गौरव को भी बहाल करना है। सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ उनकी व्यक्तिगत रंजिश नहीं है, लेकिन उन्हें पाकिस्तान सरकार और इसके

सैन्य प्रतिष्ठान से समस्याएं हैं जो आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है और सीमाओं पर हमारे सैनिकों की जान ले रहा है। पिछले पांच साल में पंजाब के 83 सैनिक मारे गये। कल्पना कीजिए कि पूरे देश से यह संख्या कितनी होगी। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में कोई सच्चा भारतीय दावा नहीं कर सकता कि इमरान खान और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा मित्र हैं। उन्होंने पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधते हुए कहा, यदि आपके मित्र ऐसे लोग हैं जिनके बारे में आप गर्व से दावा करते हैं तो आप देश के शुभचिंतक नहीं हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगी ठिठुरन प्रदूषण से राहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। इस वजह से पहाड़ी इलाकों में हल्की बर्फबारी होगी और मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस सप्ताह तेजी से पारा लुढ़केगा और दिल्ली-एनसीआर का मौसम और सर्द हो जाएगा।

प्रदूषण से भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दिल्ली में आज सवेरे का एक्यूआई 346 दर्ज किया गया है। यह बहुत गंभीर श्रेणी में है। स्काईमेट वेदर के प्रमुख मौसम विज्ञानी महेश पलावत के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता की वजह से पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी का दौर बना हुआ है। मैदानी इलाकों में बहुत हल्की बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटे में हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम की ओर हो जाएगी। इससे दिल्ली-एनसीआर में ठिठुरन बढ़ेगी।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, पति समेत ससुरालवालों पर हत्या का आरोप

» पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। थाना कमला नगर के लोहिया नगर में मंगलवार रात को कारोबारी विशाल मंगल की पत्नी श्वेता मंगल की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने मारपीट कर छत से फेंककर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि महिला की दूसरी मंजिल की छत से गिरने से मौत के बारे में बताया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हाथरस के रामलीला ग्राउंड निवासी गौरव अग्रवाल ने बताया कि बहन श्वेता (30) की शादी नवंबर 2016 में लोहिया नगर निवासी विशाल मंगल के साथ की थी। उनकी संजय इंडस्ट्रीज के नाम से जेनरेटर की फैक्ट्री है। उनकी तीन साल की बेटी है। आरोप है कि श्वेता को बेटा न होने की वजह पति और ससुरालीजन परेशान करते थे। मंगलवार रात तकरीबन आठ बजे

कालोनी के एक व्यक्ति ने फोन करके बताया कि श्वेता घर की छत से गिर गई हैं। इस पर सभी परिजन बेटी के ससुराल पहुंचे। पुलिस पहुंच गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका था। भाई ने आरोप लगाया कि बहन श्वेता को मारपीट कर दो मंजिला की छत से फेंका गया है। फर्श पर खून पड़ा हुआ था। विशाल और उनका बड़ा भाई नितिन मंगल फरार हो गए। सास और जिठानी घर में मौजूद थे। इस संबंध में थाना कमला नगर के प्रभारी निरीक्षक उत्तम चंद पटेल का कहना है कि महिला की मौत छत से गिरकर होने के बारे में बताया गया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तान से आया लश्कर आतंकी मुठभेड़ में ढेर

» जंगल में छिपा दूसरा साथी सुरक्षा बलों ने की घेराबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजोरी और पुंछ में आतंकी वारदातों के लिए खास प्रशिक्षण लेकर आए लश्कर-ए-ताइबा के पाकिस्तानी आतंकी को सुरक्षा बलों ने बहरामगला क्षेत्र में ढेर कर दिया। उसका एक साथी जंगल में भाग निकला। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है। मारे गए आतंकी की पहचान पाकिस्तान के रहने वाले अबू जरारा के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल, चार मैगजीन, एक ग्रेनेड और भारतीय मुद्रा बरामद हुई है।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस को बैहरामगला क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस पर सेना की 16 आरआर, एसओजी और सुरनकोट पुलिस ने क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। आतंकियों से मुठभेड़ शुरू हो गई। कुछ ही देर में एक आतंकी को मार गिराया गया। अबू जरारा को पीर पंजाल के दक्षिणी हिस्से में आतंकी गतिविधियां अंजाम देने की पाकिस्तान में खास ट्रेनिंग दी गई थी।

लखीमपुर हिंसा पर एसआईटी का खुलासा भाजपा को पड़ेगा भारी!

» साजिश के तहत की गई थी किसानों की हत्या

» किसान नेताओं ने गृह राज्य मंत्री को बर्खास्त करने की उठायी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा के खिलाफ लखीमपुर हिंसा मामले में एसआईटी ने चौंकाने वाले साक्ष्य खोज लिए हैं। रिपोर्ट से साफ है कि किसानों की हत्या की साजिश रची गयी थी। क्या एसआईटी का यह खुलासा चुनावों में भाजपा को भारी पड़ेगा? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार हरजिंदर, केपी मलिक, किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. सुनीलम, अधिवक्ता प्रिंस लेनिन और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि लखीमपुर हिंसा जैसी घटना पहले कभी नहीं हुई। मंत्री के बेटे ने

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

किसानों को कुचल दिया लेकिन अभी तक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया। डॉ. सुनीलम ने कहा कि साजिश की बात हम लगातार कहते रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा इसको मुख्य मुद्दा बनाकर आगे बढ़ेगा। विवेचना में साजिश का खुलासा हुआ है तो सवाल यह है कि मुख्य साजिश कर्ता कौन है। अधिवक्ता प्रिंस लेनिन ने कहा, रसूखदार के साथ तंत्र हमेशा से खड़ा रहता है। इसमें किन-किन लोगों की संलिप्तता है, यह जल्द उजागर होगा।

केपी मलिक ने कहा, यूपी में चुनाव है। यहां जिसकी लाठी उसकी भैंस चल रहा है। भाजपा सरकार अपने बाहुबलियों से इस्तीफा क्यों लेगी। किसान आंदोलन खत्म हो चुका है। अब यह मुद्दा ढीला पड़ गया है। हरजिंदर ने कहा, यूपी चुनाव में भाजपा मोदी को प्रोजेक्ट करेगी। पीएम मोदी गुंडाराज को खत्म करने की बात कर रहे हैं। ऐसे में यदि टेनी कैबिनेट में बने रहेंगे तो इनका मुद्दा कमजोर हो जाएगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लाल टोपी से डरती है भाजपा : अखिलेश

विजय रथ यात्रा में उमड़े जनसैलाब से डरी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जौनपुर जिले में दूसरे दिन भी विजय रथ यात्रा जारी है। सपा की इस यात्रा में लाखों की भीड़ देखने को मिल रही है। अखिलेश यादव का काफिला जिस गांव से गुजर रहा है, वहां उनका स्वागत किया जा रहा है। सपा कार्यकर्ता और समर्थक उन पर फूल बरसा रहे हैं। अखिलेश यादव आज भी कई विधानसभाओं में जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

अभी उनका काफिला नईगंज क्षेत्र के लखउंआ पहुंचा, जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। अब रथ यात्रा बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के कड़ेरपुर मैदान की ओर बढ़ रही है, जहां वह जनसभा को संबोधित करेंगे। फिर उनका काफिला मुगंराबादशाह विधानसभा क्षेत्र के सुजानगंज दहेउमोड़ पहुंचेगा, जहां उनकी दूसरी जनसभा होनी है। इसके बाद उनकी विजय रथ यात्रा मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र में जमालपुर के बीएन मेमोरियल पहुंचेगी, वहां भी जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र के विवेकानंद रामलीला मैदान में सभा को संबोधित करेंगे। वहीं कल अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में कहा भाजपा के लिए दरवाजे खोलने वाले ओम प्रकाश राजभर जैसे छोटे दल अब हमारे साथ हैं। लाल टोपी पर पीएम नरेंद्र मोदी की टिप्पणी से पता चलता है कि भाजपा लाल टोपी से डरती है। उन्होंने कहा लखीमपुर मामले में साजिश स्पष्ट होने के बाद भी गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी का इस्तीफा न होना इस बात का सबूत है कि भाजपा भ्रष्टाचार में लिप्त है। किसानों की भी हितैषी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की विदाई जल्द होने वाली है। वहीं अखिलेश ने आगे कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण विरोध पर वार होगा, बाईस में बदलाव होगा।

जो भाजपा के साथ थे अब सपा के साथ हैं

अखिलेश ने कहा कि भाजपा के सहयोगी दलों ने बीजेपी के लिए दरवाजे की सिटकनी करना बंद कर दी है। भाजपा के साथ मौजूद सभी सियासी राजनीतिक दल अब समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ चुके हैं। आगामी 2022 के चुनाव में भाजपा सरकार का सफाया होने जा रहा है। सपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर यूपी में बदलाव लाना चाह रही है। इस दौरान अखिलेश यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव में समाजवादी पार्टी 400 से ज्यादा सीट पर जीत हासिल करेगी।

कर्नाटक : कांग्रेस को मिली ग्यारह सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। भाजपा कर्नाटक राज्य विधानमंडल के उच्च सदन के रूप में माने जाने वाले विधान परिषद के चुनावों में साधारण बहुमत हासिल करने में विफल रही है। पार्टी 11 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही और कांग्रेस को भी इतनी ही सीटों पर जीत मिली।

क्षेत्रीय पार्टी जद (एस) चुनाव में सबसे बड़ी हारने वाली पार्टी बनी। पार्टी केवल दो सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा के पूर्व मंत्री रमेश जरकीहोली के भाई लखन जरकीहोली ने भाजपा नेता महंतेश कवाटागीमठ के खिलाफ चुनाव लड़ा और उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल कर जीत दर्ज करने में सफल रहे।

हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित कर भारत बढ़ाए ताकत : राजनाथ सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगस्त में लक्ष्य से चूकने के बाद चीन ने एक के बाद एक कई हाइपरसोनिक मिसाइलों को परीक्षण कर दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ा है। चीन की बढ़ती ताकत को देखते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश में हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के विकास पर जोर दिया है।

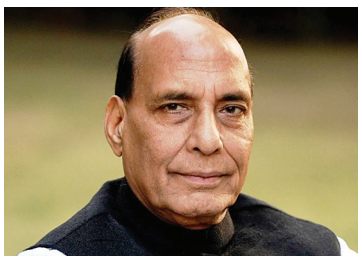

उन्होंने कहा देश में हाइपरसोनिक मिसाइलों का विकास तत्काल शुरू किया जाना चाहिए, जिससे भारत के पास अपने दुश्मन देशों के खिलाफ न्यूनतम भरोसेमंद प्रतिरोधक क्षमता हो। रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन के दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा कि जिन देशों ने रक्षा क्षेत्र में नए प्रयोग किए हैं, उन्होंने अपने दुश्मनों का बेहतर मुकाबला किया है और इतिहास में छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश को रक्षा क्षेत्र में और मजबूत करने की जरूरत है, जिससे किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हमारे पास हर तरह की ताकत हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत को रक्षा प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनना चाहिए और यह हमारा सबसे बड़ा प्रयास होना चाहिए. हम जिन तकनीकों को खुद बनाने में सक्षम हैं, वे अब हमारी हैं। साथ ही हमें उन तकनीकों का स्वदेशीकरण करना होगा जो आज कुछ चुनिंदा देशों के पास हैं. उदाहरण के लिए, बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली अधिक से अधिक मजबूत हो रही है। अपनी न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए हमें हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के विकास के बारे में शीघ्रता से सोचना होगा। यह हमारे रक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव होगा और इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा।

वरुण सिंह भी हार गए जिंदगी की जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कुन्नूर में हुए हेलीकाप्टर हादसे में एक मात्र जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का निधन हो गया है। बीती 8 दिसंबर को क्रैश हुए हेलीकाप्टर में वो एक मात्र जीवित बचे थे।

उनका इलाज कमांड अस्पताल, बेंगलुरु में चल रहा था। दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। भारतीय वायुसेना ने ट्वीट कर कहा कि यह बताते हुए काफी दुख हो रहा है कि वरुण सिंह का इलाज के दौरान आज निधन हो गया है। एयरफोर्स उनके निधन पर संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं।

18 करोड़ वैक्सीन लगा यूपी ने बनाया रिकार्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने 18 करोड़ से ज्यादा टीके लगाकर रिकार्ड बनाया है। यहां कोरोना से बचाव के लिए कुल 14.74 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई जानी है। यानी टीके की पहली और दूसरी डोज मिलाकर कुल 29.48 करोड़ टीके लगाए जाने हैं। अभी तक 11.95 करोड़ लोगों ने वैक्सीन की पहली और छह करोड़ लोगों ने दोनों डोज लगवा ली है। देश में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र में 12.51 करोड़ टीके और तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल में 9.81 करोड़ वैक्सीन लगाई गई है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय घई ने दी।

चित्रकूट धाम पहुंचे संघ प्रमुख भागवत

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी महाकुंभ में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

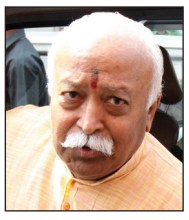

चित्रकूट। चित्रकूट की पावन धरती पर हिन्दू एकता महाकुंभ में शामिल होने के लिए मुख्य अतिथि संघ प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे पहुंच चुके हैं। कर्वी रेलवे स्टेशन पर उत्तर प्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से सवा छह बजे संघ प्रमुख और केंद्रीय मंत्री उतरे तो उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वह कड़ी सुरक्षा के बीच वह आरोग्यधाम के लिए रवाना हो गए। देश के विघटित हिंदुओं को एक सूत्र में पिरोने के लिए भगवान श्रीराम की संकल्प भूमि चित्रकूट में 'हिंदू एकता महाकुंभ' का आयोजन हो रहा है।

आज महाकुंभ में संघ प्रमुख मोहन भागवत बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर संज समाज से हिंदू हित के कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। संघ प्रमुख ने हाथ जोड़कर सभी अभिवादन स्वीकार किया और बिना कुछ बोले कार में बैठकर भारत रत्न नानाजी द्वारा स्थापित दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम के लिए रवाना हो गए। यहां पर कुछ देर विश्राम के बाद वह महाकुंभ में शामिल होने नया बस अड्डा बेड़ी पुलिया पहुंचेंगे।

हिंदू एकता महाकुंभ में देश के विभिन्न प्रांतों और स्थलों से आए धर्माचार्य व संत और महंत धर्मांतरण, लव जिहाद, हिंदू की आबादी, गो हत्या व नदियों के प्रदूषण आदि ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान 11 सौ धर्म योद्धा एक साथ हिंदू एकता शंखनाद भी किया जाएगा। हिंदू एकता महाकुंभ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को शामिल होना था लेकिन किन्हीं कारणों से नहीं आ सके हैं, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे बतौर प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। उनके साथ ही बांदा चित्रकूट सांसद आरके सिंह पटेल भी आए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाकुंभ में नदियों के संरक्षण व पर्यावरण समेत कई प्रमुख मुद्दों पर मंथन होना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।